



YEAR-2001



### Silver Trophy (II Prize)

#### दार्जीलिंग हिमालयन रेलवे

दार्जीलिंग हिमालयन रेलवे पर्वतीय क्षेत्र के लिए यात्री रेल का शानदार नमूना है। दार्जीलिंग हिमालयन रेलवे में पर्वतीय श्रृंखलाओं के मध्य से रेल संपर्क स्थापित करने के लिए स्वदेशी इंजीनियर तकनीकों का उपयोग किया गया है। यह रेलवे भारत की पहली तथा विश्व की दूसरी रेलवे है जिसे विश्व धरोहर के रूप में मान्यता प्रदान की गई है।

इस झांकी में दार्जीलिंग हिमालयन रेलवे की रेलगाड़ी को चित्ताकर्षक बेल-बूटों तथा चाय बागान के बीच से यात्रा करते दिखाया गया है। पृष्ठभूमि में स्थित कंचनजंगा का उत्तुंग शिखर अपनी पूरी शान के साथ नजर आता है।

#### DARJEELING HIMALAYAN RAILWAY WORLD HERITAGE SITE

Darjeeling Himalayan Railway (DHR) is an outstanding example of a passenger railway for the hilly areas. DHR has applied bold and indigenous engineering solutions to ensure an effective rail link across a mountainous terrain. It is the only railway site in India, and second in the world to be accorded the world Heritage site status.

The tableau depicts the DHR train in its enchanting hill-journey, moving through lovely ferns, creepers and tea plantations. The lofty peak of Kanchenjunga stands majestically in the background.